

175

3396

5000Rs.



मुताब  
उरु

कैनाभा मुबल्लेग पांचलाह ५,००,०००/रु.

कैनाभा मुबल्लेग मुल्लेग ५,००,०००/रु.

मुल्लेग मुबल्लेग ५,०००/रु.

मुल्लेग मुबल्लेग = ५,०००/रु.

मुल्लेग मुबल्लेग मुल्लेग

मुल्लेग मुबल्लेग मुल्लेग मुल्लेग

मुल्लेग मुबल्लेग मुल्लेग मुल्लेग

10 4-5-89

50000/-

पच्चीस लाख रुपये मूल्य का 11 सी. सी. का बिल

₹. 5,00,000/-

251.00 600 257.00 500

मुद्रांक  
वेता  
रु  
महावली  
रु  
5.5.89  
म I.T.C.  
5.5.89

मुद्रांक

5,00,000/- वकद

मुद्रांक  
महावली  
रु  
5.5.89



रु 5.5.89

मुद्रांक

रु 5.5.89



5.5.89





नगर का है।

जो मि. सुषि. सुषि. दोगपल्ली

नौ बिघे द. बिस्वासी तेरह सहे तीन

बटा चार बिस्वासी योनि खेत नम्बर

बटोस मिन जुमला  $\frac{32 \text{ मि.}}{211/14/13/8}$

पुल्ला योनि हव पाइटी नौ हव दो

१-३९३ हेक्टर। लगान सालाना

सतानवे २६ रुपये केय मौजा

जालम  
१२/३/२०२०  
१२/३/२०२०

(3)

5000Rs.



बीबीपुर परगना व तहसील

जिला गुजरात नगर हकीमत

मिलिमियत मगलूपा मगलूजा

तन्हा मेरी है। जो हर प्यार

के देनदारी जोड़े से पतले

पाव व साप है। जोर व समे

मेरा कोई भागीदार मो नही

महाराष्ट्र  
गुजरात  
महाराष्ट्र  
गुजरात



(४)

5000Rs.



नहीं है। जिसके हकूक इतना

हर प्रकार के मुक्त मित्रों

को छोड़ है। जिसके मुक्ति

अपनी इच्छा नुसार अपने परिवार

जनों के परामर्श से बिना किसी

दबाव के तथा समस्त इच्छा

प्रमाणों के साथ ही प्रमाणित, मुद्रित  
सहज

(2)

5000Rs.



को लगे दबा मे बिना रहने

3  
2  
1

बिना हव व हकूम हर बिना

बिना हव व हकूम हर बिना

2.00,000/ रुपये न्याय जिसके

मुबल्लेग नो लाब पचास हजार



(घ)

5000Rs.



2,50,000/- रुपये होते हैं। बदायत

को परमेश्वर दयाल बसंत

व को राजेश्वर दयाल बसंत

पुनर्गाण स्व. को वैलाश चन्द

बसंत निंगण डे सुप्रभाशदी

(6)

5000Rs.



बाहर मुजफ्फरनगर व जे

अजय कुमार बसंत पुगड़ी

जेनेवर व्याल बसंत निवासी

उध इगामबाड़ा बाहर मुजफ्फरनगर

पहना व तहसील व जिला मुन्नार





मो कतई बय कर दो और

बेच दो हं। और मुल जरे

हमन निम्नलिखत रूप से वसूल

पाये। जब मेरा कोई वास्ता

विक्रय की दृष्टिसे केवल है।

5

5000Rs.



रहा है और विहित समिति

ले अपना पक्षला व दबल

ले पुकार का उल्लेख पक्षला

व दबल लेखन का भी,

पर अपने लगान करा दिया



(१०)

5000Rs.



है। तुम यदि मेरे किसी फल

या तब फल या किसी नुस्ख

कानूनी को बलद से चला जा रही

दाल से निवृत्त जिवे या मेरे पर

मिसल मेरे ना होवे तो उसका हर

(११)

5000Rs.



प्रकार को निम्नलिखित तरीके से

और खरीदने को पूरा-पूरा

अवकाश होगा कि अपना कलक

समस्त रूप से सुद जाहता व हवा हवा



(१२)

5000Rs.



मेरी जात व जायदाद के जिस फ्रा

चौद वसुल कर ले। मुम्पको या

वास्तव मेरे को कुछ उजर किसी

जिस्स का नही होगा और खश-

९३३

5000Rs.



- दारान को यह हल भी होगा

जिसे वह पदवा ऊदात्त द्वारा

जस करे। या लोकोदारान को

कोई निम्नत किसी निम्न को



(१४)

5000Rs.



दाखिल-खारिज का होता है।

तो उसको हर प्रकार का निष्पत्ति-

दारी मुक्त निन मुक्ति का होती

समान दाखिल के हिसाब से

(१५)

2000Rs.



अपनी उक्त को ग्राह्यता 66,000/-

देती है। तथा जिस जमाने,

हिसाब से ग्राह्यता रु. 2,42,000/-

देती हूँ तथा विशेषज्ञ या ग्राह्यता

बाजारी योगत रु. 2,00,000/- है।



34

१६६

5641

500Rs.



उपरोक्त कृपि भूमि जगल दोयम आबी  
 है। और वयोदाशन ने इस विस्मय पत्र पर  
 छेड केर से भी ऊपर द्यम्य शुल्क अत्र  
 किया है। और विस्मयाने उपरोक्त आशकी  
 को बेचने हेतु १.१.९ प्रमाण पत्र मोहरी  
 पर लिया है। विस्मय बन्वा ने विस्मय  
 विस्मय केर से तीन बरा चार ११/१३/३  
 पुस्ता खेत न ३३ मि. में लिख है। विस्मय बन्वा  
 जमिन पूर्व है। तब विस्मय बन्वा पर सुम्माया था  
 गैर सरकारी केर धनशोध अब से पहले कोजब  
 होती है। जिसका भिन्न भिन्न ने इस विस्मय पत्र में  
 उल्लेख न किया है और वह धनशोध कोजब  
 विस्मय की होगी। विस्मय मुख्य तमम व व्यापक  
 सर्वोपकार मोहय मुन्ना के सामने वसुलाया  
 लिए है। सुध लेना बाध नहीं रहा है।

तहरीर जारी दि- ०५-५-१९६६

जयपुर, राजस्थान - ३०५००१



22/1

60

84

विनाश पावक इत्येव विदुः पाठः स्यादिति

महाराष्ट्र १२८० ई. १००० ई. १५

ROBERT FRANKS 1875

22/10

25/10/11 2 275 150/15 150 150 150

10/31/2019 10:31 AM

[illegible]

*[Handwritten notes:]*

WASH-123M 10 days  
K. R. HERRICK OF THE...  
*[Signature]*

विष्णुः शिवः ॐ नमः शिवाय ॥

1845  
 1846  
 1847  
 1848  
 1849  
 1850  
 1851  
 1852  
 1853  
 1854  
 1855  
 1856  
 1857  
 1858  
 1859  
 1860  
 1861  
 1862  
 1863  
 1864  
 1865  
 1866  
 1867  
 1868  
 1869  
 1870  
 1871  
 1872  
 1873  
 1874  
 1875  
 1876  
 1877  
 1878  
 1879  
 1880  
 1881  
 1882  
 1883  
 1884  
 1885  
 1886  
 1887  
 1888  
 1889  
 1890  
 1891  
 1892  
 1893  
 1894  
 1895  
 1896  
 1897  
 1898  
 1899  
 1900  
 1901  
 1902  
 1903  
 1904  
 1905  
 1906  
 1907  
 1908  
 1909  
 1910  
 1911  
 1912  
 1913  
 1914  
 1915  
 1916  
 1917  
 1918  
 1919  
 1920  
 1921  
 1922  
 1923  
 1924  
 1925  
 1926  
 1927  
 1928  
 1929  
 1930  
 1931  
 1932  
 1933  
 1934  
 1935  
 1936  
 1937  
 1938  
 1939  
 1940  
 1941  
 1942  
 1943  
 1944  
 1945  
 1946  
 1947  
 1948  
 1949  
 1950  
 1951  
 1952  
 1953  
 1954  
 1955  
 1956  
 1957  
 1958  
 1959  
 1960  
 1961  
 1962  
 1963  
 1964  
 1965  
 1966  
 1967  
 1968  
 1969  
 1970  
 1971  
 1972  
 1973  
 1974  
 1975  
 1976  
 1977  
 1978  
 1979  
 1980  
 1981  
 1982  
 1983  
 1984  
 1985  
 1986  
 1987  
 1988  
 1989  
 1990  
 1991  
 1992  
 1993  
 1994  
 1995  
 1996  
 1997  
 1998  
 1999  
 2000  
 2001  
 2002  
 2003  
 2004  
 2005  
 2006  
 2007  
 2008  
 2009  
 2010  
 2011  
 2012  
 2013  
 2014  
 2015  
 2016  
 2017  
 2018  
 2019  
 2020  
 2021  
 2022  
 2023  
 2024  
 2025  
 2026  
 2027  
 2028  
 2029  
 2030  
 2031  
 2032  
 2033  
 2034  
 2035  
 2036  
 2037  
 2038  
 2039  
 2040  
 2041  
 2042  
 2043  
 2044  
 2045  
 2046  
 2047  
 2048  
 2049  
 2050  
 2051  
 2052  
 2053  
 2054  
 2055  
 2056  
 2057  
 2058  
 2059  
 2060  
 2061  
 2062  
 2063  
 2064  
 2065  
 2066  
 2067  
 2068  
 2069  
 2070  
 2071  
 2072  
 2073  
 2074  
 2075  
 2076  
 2077  
 2078  
 2079  
 2080  
 2081  
 2082  
 2083  
 2084  
 2085  
 2086  
 2087  
 2088  
 2089  
 2090  
 2091  
 2092  
 2093  
 2094  
 2095  
 2096  
 2097  
 2098  
 2099  
 2100  
 2101  
 2102  
 2103  
 2104  
 2105  
 2106  
 2107  
 2108  
 2109  
 2110  
 2111  
 2112  
 2113  
 2114  
 2115  
 2116  
 2117  
 2118  
 2119  
 2120  
 2121  
 2122  
 2123  
 2124  
 2125  
 2126  
 2127  
 2128  
 2129  
 2130  
 2131  
 2132  
 2133  
 2134  
 2135  
 2136  
 2137  
 2138  
 2139  
 2140  
 2141  
 2142  
 2143  
 2144  
 2145  
 2146  
 2147  
 2148  
 2149  
 2150  
 2151  
 2152  
 2153  
 2154  
 2155  
 2156  
 2157  
 2158  
 2159  
 2160  
 2161  
 2162  
 2163  
 2164  
 2165  
 2166  
 2167  
 2168  
 2169  
 2170  
 2171  
 2172  
 2173  
 2174  
 2175  
 2176  
 2177  
 2178  
 2179  
 2180  
 2181  
 2182  
 2183  
 2184  
 2185  
 2186  
 2187  
 2188  
 2189  
 2190  
 2191  
 2192  
 2193  
 2194  
 2195  
 2196  
 2197  
 2198  
 2199  
 2200  
 2201  
 2202  
 2203  
 2204  
 2205  
 2206  
 2207  
 2208  
 2209  
 2210  
 2211  
 2212  
 2213  
 2214  
 2215  
 2216  
 2217  
 2218  
 2219  
 2220  
 2221  
 2222  
 2223  
 2224  
 2225  
 2226  
 2227  
 2228  
 2229  
 2230  
 2231  
 2232  
 2233  
 2234  
 2235  
 2236  
 2237  
 2238  
 2239  
 2240  
 2241  
 2242  
 2243  
 2244  
 2245  
 2246  
 2247  
 2248  
 2249  
 2250  
 2251  
 2252  
 2253  
 2254  
 2255  
 2256  
 2257  
 2258  
 2259  
 2260  
 2261  
 2262  
 2263  
 2264  
 2265  
 2266  
 2267  
 2268  
 2269  
 2270  
 2271  
 2272  
 2273  
 2274  
 2275  
 2276  
 2277  
 2278  
 2279  
 2280  
 2281  
 2282  
 2283  
 2284  
 2285  
 2286  
 2287  
 2288  
 2289  
 2290  
 2291  
 2292  
 2293  
 2294  
 2295  
 2296  
 2297  
 2298  
 2299

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

... ..

100-6-60 10/12/1950

feld -  
21/10/05